>

Title: Situation arising out of severe cold in the entire North India including Delhi and NCR.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): सभापति महोदय, पिछले एक सप्ताह से लगातार दिल्ली, एनसीआर, झारखण्ड, बिहार उत्तर प्रदेश समेत संपूर्ण उत्तर भारत ठण्ड और कोहरे की चपेट में है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित गरीब है। यहां तक कि देश की राजधानी दिल्ली में भी ठण्ड से मौतें हुई हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में ठण्ड से 27 मौतें हुई हैं। आपको स्मरण होगा कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का निर्णय किया था कि यह राज्य सरकारों का दायित्व है कि आज इस देश की आजादी के इतने वर्षों बाद कोई ठण्ड से न मरने पाए। उसके बावजूद भी अगर प्रकृति की मार से लोगों की मौत हो रही है तो वह गरीब व्यक्ति की हो रही हैं। अगर वह व्यक्ति कमाऊ है, जिस पर पूरा परिवार आश्रित है, अगर उसकी मौत के बाद उसके परिवार को राहत नहीं मिलती है, कोई आर्थिक सहायता नहीं मिलती है तो स्वाभाविक है कि ठण्ड की मार उन्हीं पर पड़ती है जो पूंस की झोंपड़ियों में रहते हैं और खुले आसमान के नीचे सोते हैं। कम से केंद्र सरकार इस बात के लिए राज्य सरकार से कहे। उत्तर प्रदेश में ठण्ड से जो मौतें हुई हैं, उनको प्रशासन स्वीकार नहीं करता है कि ये मौतें ठण्ड से हुई हैं। आपके राज्य में भी जब इस तरह की घटनाएं होती हैं तो वहां पर लोग स्थानीय रूप से चंदा कर के उसके क्रिया-क्रम की व्यवस्था करते हैं।

सभापति महोदय : मैंने दूसरा नाम पुकार दिया है, आपकी बात रिकार्ड में आ गई है।

श्री जगदम्बिका पाल : मैंने सोचा कि आप शायद सरकार को रिस्पांड करने के लिए कहा है।

सभापति महोदय : अगर संसदीय कार्य मंत्री होते तो रिस्पांड कर भी देते। अब आप अपनी बात समाप्त करें।